Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MAS-401

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination June – 2022

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : चतुर्थ
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : प्रथम
नाट्यसाहित्यम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. नाट्यशास्त्रस्य अष्टादशाध्यायानुसारं दशरूपकान् संक्षेपेण सप्रसंगं निरूपयत।
2. काव्यप्रकाशस्य सप्तमोल्लासे निरूपितकाव्यदोषस्य विशेषलक्षणं विलिख्य दोषत्रयं सोदाहरणं लिखत।
3. नाट्यशास्त्रस्य षष्ठ अध्यायस्य आदिमाः पञ्चश्लोकाः व्याख्यापुरस्सरं लिखत।
4. नाट्यशास्त्रस्य षष्ठे अध्याये प्रदत्ताः नवरसवर्णनयुक्ताः कारिकाः सोदाहरणं संक्षेपेण लिखत।
5. वर्तमानसमये नाट्यशास्त्रस्य का प्रासंगिकता?

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. नाट्यशास्त्रप्रणेतुः परिचयं लिखत।
7. विभावानाम् अनुभावानाञ्च विवेचनं कुरुत।
8. अधस्तनं श्लोकं सप्रसङ्गं व्याख्यात -

   रसा भावा ह्यभिनयाः धर्मी वृत्तिप्रवृत्तयः।
   सिद्धिः स्वरास्तथातोद्यं गानं रङ्गश्च सङ्ग्रहः।।
9. साहित्यशास्त्रे नाट्यशास्त्रस्य महत्त्वं किम्?
10. काव्यप्रकाशरचनाकारस्य परिचयं लिखत।
11. नाट्यशास्त्रानुसारं का वृत्तयः संक्षेपेण लिखत।
12. काव्याप्रकाशानुसारं रसदोषनिरूपणप्रसङ्गे 'प्रकृतीनां विपर्ययः' इति दोषं सोदाहरणं विवेचयत।

----------x----------